डायरी के पन्ने
ऐन फ्रैंक

अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न

1- 'गैस चैम्बर' क्या है?
उत्तर- हिटलर ने यहूदियों के सामूहिक हत्या के लिए ऐसे भवन बना रखे थे जिसमें काफी सारे लोगों को इकट्ठा बंद करके उसमें जहरीली गैस छोड़ दी जाती थी, जिससे वहाँ उपस्थित लोगों का दम घुटकर मृत्यु हो जाती थी।

2- 'तटस्थ राष्ट्रों' से क्या तात्पर्य है?
उत्तर- द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान वे राष्ट्र जो किसी के पक्ष में नहीं थे वे तटस्थ राष्ट्र कहलाए। द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मनी, जापान और इटली एक पक्ष में थे तथा ब्रिटेन और इसके सहयोगी राष्ट्र दूसरे पक्ष में थे। ये सभी राष्ट्र मित्र राष्ट्र कहलाए।

3- 'ऐन की डायरी' के अंश से प्राप्त होने वाली तीन महत्त्वपूर्ण जानकारियों का उल्लेख कीजिए।
उत्तर- निम्न है-
(i)- हिटलर द्वारा यहूदियों को यातना देने के विषय में।
(ii) स्त्रियों की स्वतंत्रता के विषय में।
(iii)- उच्च लोगों की प्रवृत्ति तथा प्रतिक्रिया।

4- ऐन फ्रैंक कौन थी? उसकी डायरी क्यों प्रसिद्ध है?
उत्तर- ऐन फ्रैंक एक यहूदी परिवार की लड़की थी। हिटलर के अत्याचारों से बचने के लिए उसे दो वर्ष से अधिक समय अज्ञातवास में रहना पड़ा। उस दौरान उसने अज्ञातवास

की पीड़ा, भय, आतंक, प्रेम, भावना, लड़ाई आदि का व्य
किशोरावस्था के सपने, प्रकृति प्रेम, युद्ध की पीड़ा आदि
का वर्णन डायरी में किया है। यह डायरी यहूदियों के
खिलाफ अमानवीय दमन का पुख्ता सबूत है। ऐतिहासिक
प्रसिद्ध है।

5- डायरी के पन्ने पाठ के आधार पर महिलाओं के बारे में ऐन फ्रैंक के विचारों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर- ऐन समाज में स्त्रियों की स्थिति को अन्यायपूर्ण कहती है। उसका मानना है कि शारीरिक असमर्थता और आर्थिक कमजोरी के कारण से पुरुषों ने स्त्रियों को घर पर बाँध कर रखा है। आधुनिक युग में शिक्षा, काम व जागृति से स्त्रियों में भी जागृति आई है। अब स्त्री पूर्ण स्वतंत्रता चाहती है कि उन्हें भी पुरुषों के बराबर सम्मान मिले, क्योंकि समाज के निर्माण में उनका महत्वपूर्ण स्थान है।

6- एसएस का बुलावा आने पर फ्रैंक परिवार में सन्नाटा क्यों छा गया?

उत्तर- दूसरे विश्व युद्ध में जर्मन लोग यहूदियों पर अत्याचार करते थे। वे उन्हें यातना शिविरों में भेज देते थे। वे कहीं जा नहीं सकते थे। जब फ्रैंक परिवार में एसएस का बुलावा आया तो वे सन्न रह गए कि अब उन्हें भी जुल्म का शिकार होना पड़ेगा। जीवन के प्रति किसी अनहोनी की आशंका को सोचकर परिवार में सन्नाटा छा गया।

7- हॉलैंड के प्रतिरोधी दल भूमिगत लोगों की सहायता किस प्रकार करते थे?

उत्तर- दूसरे विश्व युद्ध में 'फ्री नीदरलैंड' प्रतिरोधी दल था जो भूमिगत लोगों की सहायता करता था, युवा ईसाइयों के लिए काम की तलाश करता था। दल के लोग पुरुषों

से कारोबार तथा राजनीति की बातें करते थे और महिलाओं के साथ भोजन व युद्ध के कष्ट की बातें करते थे। वे हर समय लोगों की रक्षा कर रहे थे।

8- 'ऐन की डायरी' उसकी निजी भावनात्मक उथल-पुथल का दस्तावेज भी है। इस कथन की विवेचना कीजिए।

उत्तर- ऐन को अज्ञातवास के दो वर्ष डर व भय से गुजारने पड़े। वहाँ उसे समझने व सुनने वाला कोई नहीं था। वहाँ रहने वाले लोगों में वह सबसे छोटी थी। इस कारण उसे सदैव डाँट-फटकार मिलती थी। यहाँ उसकी भावनाओं को समझने वाला कोई नहीं मिलता वह अपने सारे व्यक्तिगत अनुभव व मानसिक उथल-पुथल को डायरी में लिखती है। उसकी डायरी निजी भावनात्मक उथल-पुथल का दस्तावेज भी है।

9- ऐन फ्रैंक की डायरी के आधार पर नाजियों के अत्याचारों पर टिप्पणी कीजिए-

उत्तर- ऐन फ्रैंक की डायरी से ज्ञात होता है कि दूसरे विश्व-युद्ध में नाजियों ने यहूदियों को अनगिनत यातनाएँ दी तथा उन्हें भूमिगत जीवन जीने के लिए मजबूर कर दिया। डर इतना था कि ये लोग सूटकेस लेकर भी सड़क पर नहीं निकल सकते थे। उन्हें दिन का सूर्य और रात को चंद्रमा देखना भी वर्जित था। वे फटे-पुराने कपड़े और घिसे-पिटे जूतों से काम चलाते थे।

10- ऐन फ्रैंक की डायरी की प्रसिद्धि के दो कारण लिखिए-

उत्तर-(i)- इसमें हिटलर की यातनाओं से बेघर हुए यहूदियों के जीवन का यथार्थ चित्रण है।

(ii)- इसमें उसके डर, आतंक, भूख, प्यार, जलन, बढ़ती उम्र की आशाएँ, पकड़े जाने का डर, मन के विचार, हँसी-मजाक, लड़की

गई, बाहरी दुनिया से अलग-थलग पड़ने का डर, की आतना है।

11- ऐन जोखिमों के मध्य भी प्रकृति के अनूठे अवसरों का आनंद किस प्रकार लेती है?

उत्तर - ऐन अज्ञातवास के समय में भी कभी-कभी प्रकृति के सौंदर्य का आनन्द प्राप्त कर लिया करती थी। एक बार वह खिड़की के पास बहुत देर बैठी रही। उस समय तेज हवाएँ बह रही थी। बादलों के बीच लुका-छिपी चल रही थी। इस दृश्य को देखकर उसने बहुत आनन्द लिया। वह इस सौंदर्य को देखकर मंत्र-मुग्ध हो गई थी।

12- प्रस्तुत पाठ में औरतों को वीर सिपाहियों से अधिक मजबूत और बहादुर क्यों कहा गया है?

उत्तर - ऐन फ्रैंक के अनुसार युद्ध में लड़ने वाले वीर सिपाहियों को जितनी तकलीफ, पीड़ा, बीमारी और यंत्रणा से गुजरना पड़ता है, उससे कहीं अधिक तकलीफें औरतें बच्चे को जन्म देते समय झेलती हैं इसके बावजूद उन्हें कोई पुरस्कार या सम्मान नहीं मिलता। बच्चा जनने के बाद उनकी उपेक्षा की जाती है। औरतें मानव जाति की निरंतरता को बनाए रखने के लिए कठिन संघर्ष से गुजरती है। वे बहुत अधिक मजबूत और बहादुर सिपाहियों से भी अधिक परिश्रम करती हैं।

13. डायरी के पन्ने के आधार पर ऐन फ्रैंक के जीवन से प्राप्त होने वाले जीवन मूल्यों की चर्चा कीजिए-

उत्तर - ऐन यहूदी परिवार की साधारण लड़की थी। वह चिन्तक और मननशील थी। यहूदी होने के कारण वह हिटलर की नृशंसतापूर्ण नीतियों से प्रभावित हुई लेकिन संकट से हारी नहीं। उसमें जीवन जीने की अदम्य जिजीविषा थी। उसने सामाजिक जीवन के विभिन्न

पहलुओं को समझने का प्रयत्न किया। वह स्त्रियों को पुरुषों के बराबर समान अधिकार दिलाना चाहती थी। गुप्त आवास में ही वह अध्ययन करती है। ये ऐसे जीवन मूल्य है, जिसने उसे विश्व प्रसिद्धि प्रदान कर दिया।

14- ऐन फ्रैंक की डायरी किट्टी को क्यों संबोधित कर लिखी गई होगी?

उत्तर- ऐन फ्रैंक एक स्वाभिमानी लड़की थी लेकिन अन्य लोग उसे घमंडी समझते थे। सभी उसे बात-बात पर डाँटते रहते थे। वह अपने दिल की बात किसी से नहीं कह पाती थी इसलिए उसने अपनी डायरी, किट्टी (एक निर्जीव गुड़िया) को संबोधित चिट्ठी की शक्ल में लिखी जिसमें उसने अपने सुख-दुःख को ही नहीं समसामयिक घटनाओं व गतिविधियों को भी अभिव्यक्त किया है।

15. डायरी का प्रकाशन कब और किसने कराया?

उत्तर- डायरी का प्रकाशन 1947 में ऐन फ्रैंक के पिता ओटो फ्रैंक ने कराया।

16- अज्ञातवास में ऐन के साथ और कौन-कौन रहता था?

उत्तर- ऐन फ्रैंक, उसके माता-पिता उसकी बड़ी बहन मार्गोट, वान दम्पति और उनका लड़का पीटर तथा मिस्टर डसेल रहते थे।

17. गुप्त आवास में ऐन फ्रैंक ने कितने समय बिताए?

उत्तर- गुप्त आवास में दो साल ऐन फ्रैंक ने बिताए।

18- ऐन फ्रैंक का जन्म कब और कहाँ हुआ?

उत्तर- ऐन फ्रैंक का जन्म 12 जून 1929 को जर्मनी के फ्रैंकफर्ट शहर में हुआ।

19- यहूदियों को पीला सितारा क्यों पहनना पड़ता था?
उत्तर- हिटलर के शासन में यहूदियों को अपनी पहचान के लिए पीला सितारा पहनने के लिए विवश किया जाता था।

20- ऐन फ्रैंक की डायरी अंग्रेजी भाषा में कब प्रकाशित हुई?
उत्तर- ऐन फ्रैंक की डायरी अंग्रेजी भाषा में 'दी डायरी ऑफ द यंग गर्ल' शीर्षक से 1952 में प्रकाशित हुई। इस पर फिल्म, नाटक, धारावाहिक आदि का निर्माण हो चुका है।